

कुशीनगर बना शिक्षा, पर्यटन और उद्योग का उभरता केंद्र

कुशीनगर, 30 जुलाई (जनसत्ता)।

भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध कुशीनगर अब आध्यात्मिक पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और औद्योगिक विकास के नए केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रदेश सरकार की विभिन्न विकास परियोजनाओं के चलते जिले में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा के नए अवसर मिल रहे हैं।

दुनिया के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों में शामिल कुशीनगर में हर वर्ष जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, वियतनाम, कंबोडिया, ताइवान और



म्यांमार सहित कई देशों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए करीब 377 करोड़ रुपये की लागत से बने कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को हाल ही में कैट-

दुनिया के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों में शामिल कुशीनगर में हर वर्ष जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, वियतनाम, कंबोडिया, ताइवान और म्यांमार सहित कई देशों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना के तहत केले के तनों से रेशा निकालकर हैंडबैग, योगा मैट, रस्सियां, गमले और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

आइज और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आइएलएस) जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है। इससे अब दिन-रात और हर मौसम में सुरक्षित उड़ानों का संचालन

संभव हो गया है, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 750 करोड़ रुपये की लागत से महात्मा बुद्ध कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जिससे पूर्वांचल के कई जिलों के छात्रों और शोधार्थियों को उच्च शिक्षा और कृषि अनुसंधान का लाभ मिलेगा।

वहीं, जिला अस्पताल से संबद्ध राजकीय मेडिकल कालेज में ट्रामा सेंटर, क्रिटिकल केयर यूनिट, डायलिसिस सुविधा और नर्सिंग कालेज की स्थापना से गंभीर मरीजों को अब इलाज के लिए महानगरों का रुख नहीं करना पड़ रहा है।